सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

तृतीय वर्ष साहित्य
हिंदी सामान्य-3
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्षः जून 2015 से)

उद्देश्यः-

1. छात्रों को हिंदी आत्मकथा विधा तथा हिंदी की दीर्घ कविता/काव्य नाटक के विकास तथा उनके स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को पारिभाषिक शब्द तथा संक्षिप्तियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त की जानेवाली कार्यालयीन हिंदी से परिचित कराना।
3. छात्रों को सरकारी पत्रलेखन की पद्धति से अवगत कराना।
4. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना।
5. छात्रों में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की कला को विकसित करना।

अध्यापन पद्धतिः-

1. स्वाध्याय।
2. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
3. ग्रंथालय के माध्यम से छात्रों को विभिन्न आत्मकथाकारों तथा कवियों की मौलिक कृतियों से परिचित कराना।
4. सरकारी कार्यालयों को भेंट।
5. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
6. कथ्य एवं भाव के अनुसार आत्मकथा विधा तथा काव्य-नाटक का अध्यापन।

पाठ्यपुस्तकेंः

1. **सृजन संदर्भ और मैं : आत्मकथांश**
   संपादकः डॉ. पी. व्ही. कोटमे, डॉ. व्ही. एन. भालेराव
   प्रकाशकः हिंदी साहित्य निकेतन,
   16 साहित्य विहार,
   बिजनौर (उ. प्र.) 246701
   फोनः 01342- 263232, 09368141411

(History of Hindi Literature)
Course Code – UAHIN – 501
कुल व्याख्यान — 60
SEMESTER - V
Credit - 4
प्रश्न पत्र — IV

हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई I हिंदी साहित्य का इतिहास — नामकरण और काल विभाजन की समस्याएँ

इकाई II आदिकाल

- आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

इकाई III भक्तिकाल

- भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- संत काव्यधारा, सूफ़ी काव्यधारा, राम भक्तिकाव्य, कृष्ण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई IV रीतिकाल

- रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ।

T.Y.B.A. HINDI COURSE – IV
(History of Modern Hindi Literature)
Course Code – UAHIN - 601
कुल व्याख्यान - 60
SEMESTER - VI
Credit – 4
प्रश्न पत्र — IV
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

आधुनिक हिंदी कविता का विकास

इकाई I
- आधुनिक काल – हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
- भारतेन्दु–युग
- द्विवेदी–युग
- छायावाद

इकाई II
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास

इकाई III
- उपन्यास
- कहानी
- नाटक

इकाई IV
- निबंध
- आलोचना
- आत्मकथा

हिंदी विशेष-4
प्रथम सत्र
पाठ्यक्रम

1. काव्य (साहित्य) का अर्थ, स्वरूप, काव्य की संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषाएँ।
2. काव्य-हेतु (कारण) और काव्य प्रयोजन (उद्देश्य) का सामान्य परिचय।
3. काव्य के तत्व - भाव-तत्व, बुद्धि-तत्व, कल्पना-तत्व, शैली तत्व।
4. शब्दशक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामान्य परिचय।
5. काव्य के भेद (प्रकार):

   काव्य के निम्नलिखित भेद :

   प्रबंध काव्य : महाकाव्य, खंडकाव्य।

   : मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य।
6. अलंकार अ) अलंकार का स्वरूप, काव्य में अलंकार का महत्व।

   आ) निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय-

   1. शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।
   2. अर्थालंकार : उपमा, दृष्टांत, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।